

DR, P. K. Singh - Guest Teacher  
Dept of History, Sem-II (MC-III)  
Asteral College Raichanwar.

प्रश्न - शकों पर लिखनी लिखिए।

उत्तर - युनानियों के बाद भारत में आने वाले विदेशी शासक शक थे। चीनी इतिहासकारों से ज्ञात होता है कि 175-165 ई० पू० दुर्गों ने उत्तर पश्चिम-चीन में निवास करने वाली यूर-यि जाति को पराजित कर भगा दिया। पुनः यूर-यि जाति का संघर्ष सिर दरिया नदी के प्रदेश में निवास करने वाली शकों से हुआ। शक लोग पराजित होकर अपने क दिशाओं में जा बसे। उनकी एक शाखा बोरबारा के उस पार जा बसी तथा दूसरी शाखा ने हेलमन्द खाड़ी पर अपना अधिकार कर उसे शकस्तान का नाम दिया। शकों के निम्न लिखित पांच शाखाएँ थीं: -

एक शाखा अफगानिस्तान में बस गई, दूसरी शाखा की राजधानी ह्वशीला थी, तीसरी शाखा ने लगभग दो शताब्दी तक मयुरा में शासन किया।

चौथी शाखा ने पश्चिमी राज्य में 300 ई० पौथी शताब्दी तक सन्धि किया शासन किया। पांचवी शाखा ने उपरी दरबन्ध पर अपना राज्य स्थापित किया।

शक नरेशों के प्रान्तीय शासक क्षत्रप कहलाते थे। क्षत्रप व्यवस्था में प्रत्येक प्रान्त में दो क्षत्रप हुआ करते थे। एक महाक्षत्रप दूसरा सहायक्षत्रप जो महाक्षत्रप का ही पुत्र एवं उत्तका उत्तराधिकारी होता था।

शक साम्राज्यों ने एक सुसंगठित शासन व्यवस्था की स्थापना की थी विशाल साम्राज्य को विभाजित कर उसे सत्रप तथा महासत्रप के अधीन कर दिया। साम्राज्य अगिराज प्रेरान सजायिक राजाधिराज की उपाधि का धारण करते थे। शक शासकों में रुद्र दमन प्रमुख शासक थे। शकों ने भारतीयों के साथ वैवाहिक सम्बन्ध स्थापित किया। बौद्ध धर्म को अपनाया मथुरा तथा शिला बौद्ध धर्म के प्रचार केन्द्र थे। व्यापार में काफी उन्नति हुई थी। रोम से सोना आता था। शक शासकों की सत्रप प्रणाली ब्रह्म की देन है। शक शासकों ने संस्कृत भाषा को प्रोत्साहन दिया। रुद्र दमन ने सिन्धु के लिए सुदर्शन मील का प्रस्ताव करवाया। वह गन्धर्व विद्या में निपुण था।

संक्षेप:-

- A- सत्रप प्रणाली देन है  
क- ब्रह्म की रव- चीन की
- B- किस वंश ने सुदर्शन मील का प्रस्ताव करवाया  
क- शक वंश रव- शुंग वंश
- C- शक शासकों ने किस धर्म को अपनाया  
क- बौद्ध धर्म रव- जैन धर्म
- D- भारत में सत्रप प्रणाली लागू की  
क- शक वंश ने रव- कुषाण वंश ने
- E- शक शासकों ने किस भाषा को प्रोत्साहन दिया  
क- संस्कृत रव- उर्दू

उत्तर- A-क, B-क, C-क, D-क, E-क,